**Meera ke pad previous year Questions (with model answers)**

**प्रश्न 1 – 'द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।' इस कथन का भाव स्पष्ट कीजिए। (लगभग 30-40 शब्दों में) [CBSE 2020]**

**उत्तर** – 'द्रोपदी री लाज राखी, आप बढ़ायो चीर।' इस पंक्ति का भाव यह है कि श्री कृष्ण अपने भक्तों की पीड़ा को दूर करने वाले हैं। इस पंक्ति में मीरा श्री कृष्ण से प्रार्थना कर रहीं हैं कि जिस प्रकार उन्होंने अपमानित द्रौपदी की लाज बचाई थी जब दुःशासन उसे निर्वस्त्र करने का प्रयास कर रहा था तो श्री कृष्ण ने ही उसे वस्त्र प्रदान किये थे, उसी प्रकार मीरा चाहती हैं कि श्री कृष्ण उनकी परेशानी को भी दूर करें। क्योंकि वे ही सभी की पीड़ा को दूर करने वाले हैं।

**प्रश्न 2 – मीरा हरि से अपनी पीड़ा दूर करने के लिए उन्हें क्या-क्या याद दिलाती हैं? (लगभग 30-40 शब्दों में) [CBSE 2020]**

**उत्तर** – मीरा हरि से अपनी पीड़ा दूर करने के लिए उन्हें याद दिलाती हैं कि जिस तरह उन्होंने द्रौपदी की इज्जत को बचाया, जिस तरह उन्होंने अपने भक्त प्रह्लाद को बचाने के लिए नरसिंह का शरीर धारण किया और जिस तरह उन्होंने हाथियों के राजा ऐरावत हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से बचाया था, उसी तरह वे अपनी दासी अर्थात भक्त के भी सारे दुःख हर लो अर्थात सभी दुखों का नाश कर दें।

**प्रश्न 3 – मीरा के पदों के आधार पर स्पष्ट कीजिए कि वह भक्त की विपत्ति दूर करने के लिए किन प्रसंगों की याद कृष्ण को दिखाती है और उन्हें पाने के लिए क्या-क्या कार्य करने को तत्पर है? [CBSE 2019]**

**उत्तर –** कवयित्री मीरा अपने प्रभु श्रीकृष्ण से कहती हैं कि वे अपने भक्तों के सभी प्रकार के दुखों को हरने वाले हैं अर्थात दुखों का नाश करने वाले हैं। मीरा उदाहरण देते हुए कहती हैं कि जिस तरह उन्होंने द्रोपदी की इज्जत को बचाया और साड़ी के कपड़े को बढ़ाते चले गए, जिस तरह उन्होंने अपने भक्त प्रह्लाद को बचाने के लिए नरसिंह का शरीर धारण कर लिया और जिस तरह उन्होंने हाथियों के राजा भगवान इंद्र के वाहन ऐरावत हाथी को मगरमच्छ के चंगुल से बचाया था, उसी तरह अपनी इस दासी अर्थात भक्त के भी सारे दुःख हर लो अर्थात सभी दुखों का नाश कर दो। साथ ही साथ मीरा ने प्रभु से लोगों की पीड़ा दूर करने की प्रार्थना की है। मीरा श्री कृष्ण को पाने के लिए अनेक कार्य करने के लिए तैयार हैं – वे कृष्ण की सेविका बन कर रहने को तैयार हैं, वे उनके विचरण अर्थात घूमने के लिए बाग़ बगीचे लगाने के लिए तैयार हैं, ऊँचे ऊँचे महलों में खिड़कियां बनाना चाहती हैं ताकि श्री कृष्ण के दर्शन कर सके और यहाँ तक की आधी रात को जमुना नदी के किनारे कुसुम्बी रंग की साड़ी पहन कर दर्शन करने के लिए तैयार हैं।

**प्रश्न 4 – 'हरि आप हरो जन री भीर' पद के आधार पर सिद्ध कीजिए कि मीरा यदि एक ओर श्रीकृष्ण की क्षमताओं का गुणगान करती हैं तो दूसरी ओर उन्हें उनके कर्तव्य की याद दिलाने में भी विलंब नहीं करती। [CBSE 2023]**

**उत्तर –** लोक कथाओं के अनुसार अपने जीवन में आए कठिन दुखों से मुक्ति पाने के लिए मीरा घर – परिवार छोड़ कर वृन्दावन में जा बसी थी और कृष्ण प्रेम में लीन हो गई थी। प्रस्तुत पाठ में संकलित दोनों पद मीरा के इन्हीं आराध्य अर्थात श्रीकृष्ण को समर्पित हैं। मीरा अपने प्रभु की झूठी प्रशंसा भी करती है ,प्यार भी करती हैं और अवसर आने पर डांटने से भी नहीं डरती। श्रीकृष्ण की शक्तिओं व सामर्थ्य का गुणगान भी करती हैं और उनको उनके कर्तव्य भी याद दिलाती हैं। मीरा श्री कृष्ण से कहती हैं कि जिस प्रकार आपने द्रोपदी, प्रह्लाद और ऐरावत के दुखों को दूर किया था उसी तरह मेरे भी सारे दुखों का नाश कर दो। मीरा श्री कृष्ण के दर्शन का एक भी मौका हाथ से जाने नहीं देना

चाहती, वह श्री कृष्ण की दासी बनने को तैयार है, बाग़-बगीचे लगाने को भी तैयार है, गली गली में श्री कृष्ण की लीलाओं का बखान भी करना चाहती है, ऊँचे ऊँचे महल भी बनाना चाहती है, ताकि दर्शन का एक भी मौका न चुके।

**प्रश्न 5 – मीरा के 'पद' के आधार पर लिखिए कि द्रौपदी, प्रह्लाद आदि का उल्लेख कर मीरा भगवान को उनका कौन-सा रूप स्मरण करवा रही है और क्यों? [CBSE 2024]**

**उत्तर** – द्रौपदी, प्रह्लाद आदि का उल्लेख कर मीरा भगवान को उनका भक्त – प्रेम रूप स्मरण करवा रही है क्योंकि उस रूप में भगवान श्री कृष्ण अपने भक्तों के सभी प्रकार के दुखों को हरने वाले हैं अर्थात दुखों का नाश करने वाले हैं। मीरा भगवान को उनके भक्त – प्रेम रूप का स्मरण इसलिए करवा रही है क्योंकि मीरा जानती हैं कि अपने भक्तों को मुसीबत में देखकर भगवान् उन्हें बचाने व् दर्शन देने अवश्य आते हैं। मीरा भी भगवान् के दर्शन करना चाहती हैं इसीलिए वे भगवान् श्री कृष्ण को बार-बार उनके भक्त-प्रेम रूप का स्मरण करवा रही हैं।

For the complete set of previous year questions of Meera ke Pad, Click Here

Meera ke Pad Summary, Word meanings, Click Here

Meera ke Pad Important Questions, Click Here

Meera ke Pad MCQs, Click Here

Sparsh book Word meanings of all lessons, Click Here

Sparsh Book Character Sketches, Click Here